BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी

कक्षा– सातवीं

भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

निर्देश ः-

१) विषय को समझने के लिए दिया गया लिंक देखें ।

२) कॉपी में केवल अभ्यास प्रश्न एक से चार तक करने हैं ।

३) कॉपी की जाँच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी।

https://www.youtube.com/watch?v=SeDgpTzIXUE

प्यारे बच्चों ,

लिंक से आपने जाना कि-

१) भाषा एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर तथा लिखकर प्रकट करता है तथा दूसरों के विचारों को पढ़कर या सुनकर ग्रहण करता है ।

भाषा के दो रूप हैं –

क) मौखिक भाषा -टेलीफ़ोन पर बात करना ,कहानी सुनाना,भाषण देना आदि इसके उदाहरण हैं ।

ख) लिखित भाषा -पत्र लिखना , समाचार पत्र पढ़ना आदि इसके उदाहरण हैं ।

२) बोली-

यह किसी विशेष स्थान पर प्रयोग होती है तथा इसका क्षेत्र सीमित होता है ।

३) लिपि –

मौखिक भाषा को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिन्हों को लिपि कहते हैं अर्थात् भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है ।

विभिन्न भाषाओं की लिपियाँ-

हिंदी, संस्कृत,नेपाली,मराठी - देवनागरी

उर्दू- अरबी – फ़ारसी

अंग्रेज़ी- जर्मन

फ्रेंच – रोमन

पंजाबी- गुरूमुखी

४) व्याकरण –

यह वह शास्त्र है जो हमें किसी भाषा के शुद्ध रूप को लिखने तथा बोलने के नियमों का ज्ञान कराता है अर्थात् भाषा को शुद्ध रूप में पढ़ना, लिखना और बोलना हम व्याकरण से सीखते हैं ।

अभ्यास –

प्रश्न १) उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

क) विचारों के आदान - प्रदान का साधन -------- है ।

ख) भाषा के दो रूप ------- और ------- हैं ।

ग) क्षेत्र विशेष में बोला जाने वाला भाषा का रूप ------- कहलाता है ।

घ) भाषा को लिखने के ढंग को ------ कहते हैं ।

ड़) भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी हमें -------- करवाता है ।

प्रश्न २) भाषा और लिपि का उचित मिलान कीजिए -

पंजाबी	रोमन
अंग्रेज़ी	अरबी - फ़ारसी
उर्दू	देवनागरी
हिंदी	गुरूमुखी

प्रश्न ३) मौखिक और लिखित भाषा में अंतर बताते हुए लिखित भाषा का महत्त्व बताइए।

प्रश्न ४) किसी भाषा के लिए व्याकरण क्यों आवश्यक है ?

(पाठ को दोहराने के लिए ऊपर दिए गए लिंक को दोबारा देखें)

BAL BHARATI, PITAMPURA